पाठ – आशीर्वाद

पाठ सार

कवि अपने प्रिय व्यक्ति को आशीर्वाद दे रहा है और प्रेरित कर रहा है कि उसके सपने ऊँचे और महत्वाकांक्षी हों। उसे जीवन में अपने लक्ष्य पाने के लिए मेहनत करनी होगी और अपनी कल्पनाओं को वास्तविकता से जोड़ना होगा। कठिनाइयों के बावजूद उसे अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ते रहना चाहिए। जीवन में उसे मुस्कुराना सीखना चाहिए और हर अनुभव से कुछ सीख लेनी चाहिए। कवि कहता है कि सफलता पाने के लिए किसी पर निर्भर न होकर स्वयं प्रयास करना आवश्यक है। अंत में, कवि यह आशा करता है कि वह अपने बड़े सपनों को साकार करे और जीवन में आगे बढ़े।

पाठ व्याख्या

1. जा,
   तेरे स्वप्न बड़े हों
   भावना की गोद से उतरकर
   जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें

शब्दार्थ –

स्वप्न – सपना, कल्पना
भावना – संवेदना, मन की भावना
चलना सीखें – जीवन में आगे बढ़ना सीखें

व्याख्या – *कवि अपने प्रिय व्यक्ति को प्रेरित कर रहा है और आशीर्वाद दे रहा है कि वह अपने जीवन में बड़े और महत्वाकांक्षी सपने देखे। उसे अपने मन की भावनाओं पर नियंत्रण रखना होगा और केवल कल्पनाओं में नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में कदम रखकर कठिनाइयों का सामना करना सीखना होगा। तभी वह अपने बड़े सपनों को पूरा कर सकता है और जीवन में आगे बढ़ सकता है।*

2. चाँद-तारों-सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए
   रूठना-मचलना सीखें
   हँसें
   मुसकराएँ
   गाएँ

शब्दार्थ –

अप्राप्य – जो अब प्राप्त न हो, जो प्राप्त करने योग्य न हो, न मिलने वाला, दुर्लभ
मचलना – किसी वस्तु के पाने या न देने की जिद पकड़ लेना, आतुर होना, हठ करना

व्याख्या – *कवि कहता है कि बड़े और कठिन लक्ष्यों को पाने के लिए जीवन की सच्चाई को समझना आवश्यक है। इसके लिए दृढ़ता और जिद्द जरूरी है। कठिनाइयों के बावजूद हमें अपने लक्ष्य के लिए मेहनत करते रहना चाहिए। जीवन में विपरीत परिस्थितियों में भी हमें डरना नहीं चाहिए, बल्कि हँसते हुए उनका सामना करना चाहिए और लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ता से प्रयास करना चाहिए।*

3. हर दीये की रोशनी देखकर ललचाएँ
उँगली जलाएँ
अपने पाँवों पर खड़े हों।
जा,
तेरे स्वप्न बड़े हों।

शब्दार्थ –

ललचाएँ – किसी चीज़ को पाने की अनुचित या बढ़ी हुई इच्छा, आकर्षित होना
उँगली जलाएँ – संघर्ष करें
अपने पाँवों पर खड़े हों – आत्मनिर्भर होना

व्याख्या – *कवि अपने प्रिय व्यक्ति को आशीर्वाद देते हुए कहता है कि वह अपने जीवन में बड़े सपने देखे और उन्हें साकार करने की पूरी कोशिश करें। उसे अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए हर रोशनी से सीख लेनी चाहिए और अपने संघर्षों में आत्मनिर्भर होना चाहिए। अर्थात, अपने लक्ष्य को पाने के लिए खुद मेहनत करें और किसी पर निर्भर न रहे।*

पाठ से

मेरी समझ से

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर के सम्मुख तारा (★) बनाइए। कुछ प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर भी हो सकते हैं।

प्रश्न 1. कविता में किसे संबोधित किया गया है?
(क) युवा वर्ग को
(ख) नागरिकों को
(ग) बच्चों को
(घ) श्रमिकों को

उत्तर:
(क) युवा वर्ग को (★)

प्रश्न 2. "तेरे स्वप्न बड़े हों" पंक्ति में 'स्वप्न' से क्या आशय है?
(क) कल्पना की उड़ान भरना
(ख) आकांक्षाएँ और रुचियाँ रखना
(ग) बहुत-सी उपलब्धियाँ पाना
(घ) बड़े लक्ष्य निर्धारित करना

उत्तर:
(घ) बड़े लक्ष्य निर्धारित करना (★)

प्रश्न 3. "उँगली जलाएँ" पंक्ति में उँगली जलाने का भाव
(क) चुनौतियों को स्वीकार करना
(ख) प्रकाश का प्रसार करना
(ग) अग्नि के ताप का अनुभव करना
(घ) कष्टों से नहीं घबराना

उत्तर:
(घ) कष्टों से नहीं घबराना (★)

प्रश्न 4. "अपने पाँवों पर खड़े हों" पंक्ति से क्या आशय है?
(क) अपने पैरों पर खड़े होना
(ख) सफलता प्राप्त करना
(ग) कठिनाइयों का सामना करना
(घ) आत्मनिर्भर होना

उत्तर:
(घ) आत्मनिर्भर होना (★)

(ख) हो सकता है कि आपके समूह के साथियों ने अलग-अलग उत्तर चुने हों। अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने?

उत्तर:

1. **युवा वर्ग** – कविता मुख्यतः युवाओं को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है और उन्हें प्रेरित करती है कि वे समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।
2. **बड़े लक्ष्य निर्धारित करना** – यहाँ 'स्वप्न' शब्द जीवन में बड़ी आकांक्षा और लक्ष्य को दर्शाता है, इसलिए कविता युवाओं को बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा देती है।
3. **कष्टों से नहीं घबराना** – "उँगली जलाएँ" प्रतीकात्मक रूप से संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करने का संकेत देती है। कविता सिखाती है कि लक्ष्य प्राप्ति में आने वाले कष्टों से डरना नहीं चाहिए।
4. **आत्मनिर्भर होना** – कविता व्यक्ति को अपने बलबूते और प्रयासों से आगे बढ़ने, आत्मविश्वासी और स्वावलंबी बनने की प्रेरणा देती है।

मिलकर करें मिलान

कविता में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ स्तंभ 1 में दी गई हैं। उन पंक्तियों के भाव या संदर्भ स्तंभ 2 में दिए गए हैं। पंक्तियों को उनके सही भाव अथवा संदर्भों से मिलाइए।

क्रम	स्तंभ 1		स्तंभ 2
1.	भावना की गोद से उतरकर जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें	1.	विविध ज्ञान के प्रति आकृष्ट होना और उसे पाने की ललक होना
2.	हर दीये की रोशनी देखकर ललचाएँ	2.	सपनों को आनंद और मुस्कुराहटों में बदलें। कठिन परिस्थितियों में भी मनोबल बनाए रखें।
3.	चाँद-तारों-सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखें	3.	भावनाओं में न बहकर वास्तविकता का सामना करना
4.	...हँसें/मुसकराएँ/गाएँ	4.	असंभव से लगने वाले लक्ष्यों के लिए हठ और प्रयास करना

उत्तर:

1. 3
2. 1
4. 2
3. 4

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार अपने समूह में साझा कीजिए और लिखिए-

(क) “जा,
तेरे स्वप्न बड़े हों ”

उत्तर:

“जा, तेरे स्वप्न बड़े हों ” – इस पंक्ति का अर्थ है – ” जाओ, तुम्हारे सपने महान और ऊँचे हों। ” यह एक आशीर्वाद और प्रेरणा से भरी हुई पंक्ति है, जिसमें यह कहा जा रहा है कि वह छोटे-मोटे लक्ष्यों तक सीमित न रहे बल्कि बड़े स्वप्न देखे, महत्वाकांक्षी बने और ऊँचाइयों तक पहुँचे।

(ख) “जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें”

उत्तर:

“जल्द पृथ्वी पर चलना सीखें” – इस पंक्ति का अर्थ है-
“जल्दी ही यथार्थ का सामना करना सीखें।” यह पंक्ति विशेष रूप से युवा वर्ग को प्रेरित करती है कि वे केवल कल्पनाओं में न खोएँ, बल्कि धरातल पर उतरकर मेहनत करें और जीवन की चुनौतियों का सामना करना सीखें।

(ग) “चाँद-तारों-सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखें”

उत्तर:

“चाँद-तारों-सी अप्राप्य सच्चाइयों के लिए रूठना-मचलना सीखें” – इस पंक्ति का अर्थ है-
हमें अपने जीवन में ऐसे ऊँचे और कठिन लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए जो चाँद-तारों की तरह दूर और कठिन प्रतीत होते हैं। उन लक्ष्यों को पाने के लिए हमें भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए – यानी जब वे लक्ष्य हमें न मिलें तो हम दुखी हों, रूठें, मचलें, यानी उन्हें पाने की प्रबल इच्छा और बेचैनी हमारे भीतर होनी चाहिए।

अनुमान और कल्पना से

अपने समूह में मिलकर चर्चा कीजिए-
(क) कविता में सपनों के बड़े होने की बात की गई है। आपके अनुसार बड़े सपने कौन – कौन से हो सकते हैं और क्यों?

उत्तर:

“एक आशीर्वाद” कविता में बड़े सपनों की बात करके कवि हमें प्रेरित करता है कि हम अपने जीवन में ऊँचे लक्ष्य रखें और उन्हें पाने की दृढ़ इच्छा रखें।
मेरे अनुसार निम्नलिखित सपने बड़े हो सकते हैं-

1. शिक्षा में ऊँचाई तक पहुँचना जैसे – वैज्ञानिक बनना, डॉक्टर, इंजीनियर या शोधकर्ता बनना।
   क्यों-क्योंकि शिक्षा से समाज और देश का विकास होता है। यह व्यक्तिगत सफलता का भी आधार है।
2. देश की सेवा करना
   जैसे – सेना में जाना, प्रशासनिक सेवा (IAS/ IPS) में जाना।
   क्यों- क्योंकि ये सपने व्यक्ति को न केवल आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए योगदान का अवसर भी देते हैं।

3. कोई नई खोज या आविष्कार करना जैसे- टेक्नोलॉजी या स्वास्थ्य क्षेत्र में कुछ नया करना।
   क्यों- क्योंकि इसमें मानवता का भला होता है और हम दुनिया को बेहतर बना सकते हैं।
4. कला, संगीत, साहित्य में महान बनाना
   जैसे – एक प्रसिद्ध लेखक, गायक या चित्रकार बनना।
   क्यों-क्योंकि ये सपने लोगों के दिलों को छूते हैं और समाज को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करते हैं।
5. समाज में बदलाव लाने वाला बनना
   जैसे- समाजसेवक, शिक्षाविद या पर्यावरण कार्यकर्ता बनना।
   क्यों- क्योंकि यह लोगों के जीवन को बेहतर बनाने का सपना है।

(ख) "हर दीये की रोशनी देखकर ललचाएँ/उँगली जलाएँ" पंक्ति में सपनों और लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ललक की बात की गई है। ललक के साथ और क्या-क्या होना आवश्यक है और क्यों? (संकेत – योजना, प्रयास आदि)

उत्तर:

"**एक आशीर्वाद**" कविता हमें बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देती है। मेरे अनुसार कुछ बड़े सपने इस प्रकार हैं –

1. **शिक्षा में ऊँचाई तक पहुँचना** – जैसे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर या शोधकर्ता बनना।
   क्यों: शिक्षा से न केवल व्यक्तिगत सफलता मिलती है, बल्कि समाज और देश का विकास भी होता है।
2. **देश की सेवा करना** – जैसे सेना में जाना या प्रशासनिक सेवा (IAS/IPS) में काम करना।
   क्यों: ये सपने हमें आत्मनिर्भर बनाते हैं और समाज-राष्ट्र के लिए योगदान का अवसर देते हैं।
3. **नई खोज या आविष्कार करना** – जैसे टेक्नोलॉजी या स्वास्थ्य क्षेत्र में कुछ नया करना।
   क्यों: इससे मानवता का भला होता है और दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है।
4. **कला, संगीत या साहित्य में महान बनाना** – जैसे प्रसिद्ध लेखक, गायक या चित्रकार बनना।
   क्यों: ये सपने समाज को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध करते हैं और लोगों के दिलों को छूते हैं।
5. **समाज में बदलाव लाना** – जैसे समाजसेवक, शिक्षाविद या पर्यावरण कार्यकर्ता बनना।
   क्यों: इससे लोगों के जीवन में सुधार और समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

(ग) कल्पना कीजिए कि आपका सपना ही आपका मित्र है। आपको उससे बातचीत करनी हो तो क्या बात करेंगे?

उत्तर:

मेरा सपना ही मेरा मित्र है। एक ऐसा मित्र जो मेरे दिल की हर बात जानता है। उससे हम निम्नलिखित बात करेंगे-

मैं:

"ओ मेरे सपने! तू हमेशा मेरे दिल में था। अब जब तू सामने है, क्या मैं तेरे काबिल बन पाया हूँ?"

सपना:

"डर मत। मैं दूर नहीं हूँ, बस तेरी मेहनत का रूप हूँ। तू चलना शुरू कर, मैं तेरे साथ हूँ।"

मैं:

"मैं चल रहा हूँ, पर डर लगता है, कहीं हार न जाऊँ।"

सपना:
"अगर तू हार गया, मैं खो जाऊँगा। लेकिन अगर तू लड़ा, तो मैं तेरा ही बन जाऊँगा।"
मैं:
"तो वादा है, अब मैं पीछे नहीं हटूंगा। तू मेरे साथ है, तो मुझे कोई रोक नहीं सकता।"

(घ) यदि मैं किसी को आशीर्वाद देना चाहूँ, तो मेरा आशीर्वाद केवल सफलता या समृद्धि तक सीमित नहीं होगा- मैं ऐसा आशीर्वाद देना चाहूँगा जो जीवनभर साथ दे, जीवन को अर्थपूर्ण बनाए।

उत्तर:

मैं अपने मित्रों और शुभचिंतकों को आशीर्वाद देना चाहूँगा –

1. **सच्चे लक्ष्य और उन्हें पाने की हिम्मत** – सही दिशा और साहस से ही जीवन सार्थक बनता है।
2. **कठिनाइयों में मुस्कुराने की शक्ति** – जीवन में उतार-चढ़ाव आते हैं, पर मुस्कान इंसान को मजबूत बनाती है।
3. **दूसरों के लिए रोशनी बनने की क्षमता** – सच्चा इंसान वही है जो सिर्फ अपना नहीं, दूसरों का भी भला सोचे।
4. **सच्चे रिश्तों और प्यार** – सफलता तभी खूबसूरत होती है जब उसे बाँटने वाले अपने हों।
5. **आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान** – यह जीवन की सबसे बड़ी पूँजी है।

कविता की रचना

प्रश्न – इस कविता में सपने को मनुष्य की तरह हँसते, मुसकराते, गाते हुए बताया गया है। ध्यान से देखें तो इस कविता में इस प्रकार की अन्य विशेषताएँ भी दिखाई देंगी। उन्हें लिखिए और कक्षा में उन पर चर्चा कीजिए।

उत्तर:

'एक आशीर्वाद' कविता की विशेषताएँ –

1. **सपनों को मानवीय रूप देना** – कविता में सपने हँसते, मुस्कुराते और गाते दिखाई देते हैं, जिससे वे हमारे साथी लगते हैं।
2. **भावनात्मक और संवेदनशील** – सपना नन्हे बच्चे की तरह रूठता, मचलता है, जिससे दिखता है कि सपनों के लिए भावना और लगाव जरूरी है।
3. **संघर्षशील** – सपना कल्पना से निकलकर वास्तविक जीवन में कदम रखना सीखता है, यानी असली सपने वही हैं जो धरातल पर उतरें।
4. **प्रेरणादायक शक्ति** – सपना हमें बढ़ने और बड़े लक्ष्य पाने के लिए प्रेरित करता है।
5. **निःस्वार्थ और रोशनी देने वाला** – सच्चा सपना दूसरों को भी फायदा पहुँचाता है, केवल अपने लिए नहीं।

सृजन

इस कविता के आरंभ में एक ही संज्ञा शब्द है- 'स्वप्न'। इस शब्द को केंद्र में रखते हुए अनेक क्रिया शब्दों का ताना-बाना बुना गया है, जैसे – चलना, रूठना, मचलना सीखना, हँसना, मुस्कुराना, गाना, ललचाना और इस प्रकार कविता पूरी हो जाती है। आप भी किसी एक संज्ञा शब्द के साथ विभिन्न क्रिया शब्दों को प्रयोग करते हुए अपनी कविता बनाकर कक्षा में सुनाइए।

उत्तर:

संज्ञा शब्द "बीज़"

बीज़

मिट्टी में दबा,
फिर भी सपने देखता है।
चुपचाप सहता है अंधेरे,
पर उजाले की चाह रखता है।
टूटता है,
बिखरता है,
फिर भी खिलता है।
धूप सहता है,
बरसात में भीगता है,
फिर भी मुसकराता है।
कभी पेड़ बनकर
छाया देता है,
कभी फल बनकर
मीठा हो जाता है।
बीज़, जो हर अंत में
एक नई शुरुआत छुपाए बैठा है।

कविता का शीर्षक

इस कविता का शीर्षक 'एक आशीर्वाद' है जो कविता में कहीं भी प्रयुक्त नहीं हुआ है। यदि इस कविता की ही किसी पंक्ति या शब्द को कविता का शीर्षक बनाना हो तो आप कौन-सी पंक्ति या शब्द चुनेंगे और क्यों?

उत्तर:

"एक आशीर्वाद" कविता की किसी पंक्ति या शब्द को ही शीर्षक बनाना हो, तो मैं निम्न में से किसी एक को चुनूँगा-

1. "जा, तेरे स्वप्न बड़े हों"

क्यों-क्योंकि-

- यह कविता की सबसे प्रभावशाली, प्रेरणादायक और सारगर्भित पंक्ति है।
- यही वह पंक्ति है जो पूरे आशीर्वाद का सार व्यक्त करती है कि तुम्हारे सपने बड़े हों और तुम ऊँचाइयाँ छुओ।
- इस पंक्ति में दिशा, प्रेरणा, आशा और प्रेम सभी भाव समाहित हैं।

2. "तेरे पाँव ज़मीन पर हों"

क्यों-क्योंकि-

- यह पंक्ति विनम्रता, यथार्थ और संतुलन की सीख देती है।
- यह आशीर्वाद देती है कि सफलता मिलने पर भी व्यक्ति ज़मीन से जुड़ा रहे।

भाषा की बात

(क) नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में 'स्वप्न' से जुड़े शब्द अपने समूह में चर्चा करके लिखिए-

उत्तर:

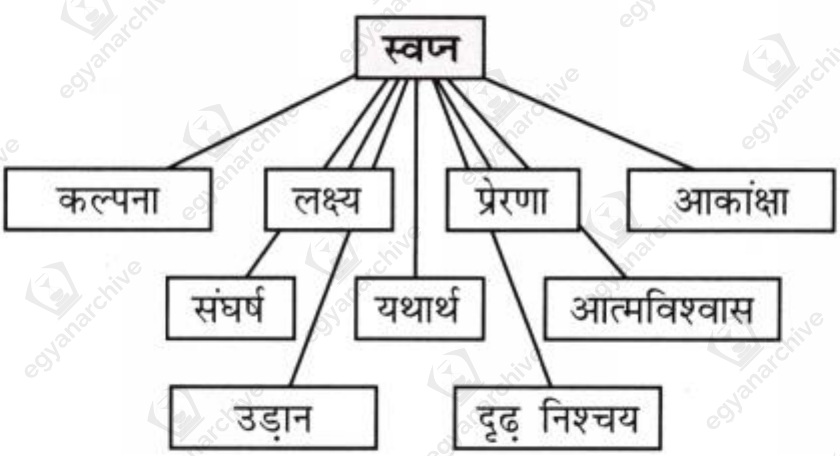

(ख) कविता में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं और उनके सामने कुछ अन्य शब्द भी दिए गए हैं। उन शब्दों पर घेरा बनाइए जो समान अर्थ न देते हों-

उत्तर:

शब्द	अन्य शब्द			
पृथ्वी	धरा	वसुधा	अवनि	**सुता**
चाँद	**मधुकर**	शशि	निशाकर	मयंक
तारे	नक्षत्र	**सोम**	तारक	उडुगण
रोशनी	प्रकाश	**लालिमा**	उजाला	आलोक
स्वप्न	सपना	इच्छा	**यथार्थ**	कल्पना
दीया	**दीन**	ज्योति	दीपक	प्रदीप

आना-जाना

आना' और 'जाना' दो महत्त्वपूर्ण क्रियाएँ हैं। कक्षा में दो समूह बनाइए। एक समूह का नाम 'आना' और दूसरे समूह का नाम 'जाना' होगा। अब अपने-अपने समूह में इन दोनों क्रियाओं का प्रयोग करते हुए सार्थक वाक्य बनाइए और उन्हें चार्ट पेपर पर चिपकाकर अपनी कक्षा में लगाइए।

उत्तर:

उदाहरण वाक्य ("आना" समूह)

1. मैं स्कूल रोज़ समय पर आता हूँ।
2. माँ ने मुझे बुलाया, तो मैं तुरंत आया।
3. बारिश के बाद ठंडी हवा आई।
4. क्या तुम कल मेरी जन्मदिन की पार्टी में आओगे?

5. वह हर रविवार को मंदिर आता है।

उदाहरण वाक्य ("जाना" समूह)

1. मैं कल अपने दादा-दादी के घर गया।
2. बच्चे पार्क में खेलने जा रहे हैं।
3. छुट्टी के बाद हम पिकनिक पर जाएँगे।
4. वह रोज़ स्कूल जाती है।
5. बारिश होने से पहले ही हम घर चले गए।

डायरी

हँसें – मुसकराएँ- गाएँ

अपने किसी एक दिन की समस्त गतिविधियों पर ध्यान दीजिए और अपनी डायरी में लिखिए कि आप दिनभर में कब-कब हँसे, कब-कब मुसकराए, कब-कब गाए, कब-कब रूठे, कब-कब मचले?

उत्तर:

मेरी डायरी – एक दिन की झलक

तारीख: 18 जुलाई 2025

स्थानः घर

आज का दिन कई भावनाओं से भरा रहा। सुबह 8 : 00 बजे- जब मम्मी ने प्यार से उठाया और गरमागरम पराँठे परोसे, तो मैं मुसकुरा उठा। माँ का स्नेह दिन की सबसे प्यारी शुरुआत थी।

09 : 00 बजे – ऑनलाइन क्लास में दोस्त ने मजाक किया, तो हम सभी हँसने लगे और मस्ती में मेरी क्लास गुजरी।

11 : 00 बजे – पढ़ाई करते-करते जब मेरा मन ऊब गया तो मैंने अपना पसंदीदा गाना लगाया और गुनगुनाने लगा। उस पल ने मुझे तरोताज़ा कर दिया।

1 : 00 बजे – दोपहर के खाने में मेरी पसंद का नहीं था। तो मैं माँ से थोड़ा-सा मुँह फुला लिया।

2 : 30 बजे तक – मम्मी ने चॉकलेट दे दी, मैं फिर से मुसकुरा उठा और रूठना खत्म हुआ।

5:00 बजे – पापा ने शाम को खेलने नहीं जाने दिया, मैं मचल गया और लगभग आधे घंटे तक उदास बैठा रहा।

7 : 30 बजे– टीवी पर मेरा पसंदीदा प्रोग्राम "तारक मेहता का उल्टा चश्मा" आया, तो मैं हँसता रहा और पूरे दिल से गाया भी।

9 : 00 बजे – सोने से पहले मम्मी-पापा के साथ समय बिताया, उनके साथ बातें कीं, हँसे और दिन भर की थकान मिट गई।

पाठ से आगे

आपकी बात

(क) कविता के माध्यम से बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें पूरा करने का आशीर्वाद दिया गया है। दिन-प्रतिदिन के जीवन में आपको अपने माता-पिता, अध्यापक एवं परिजनों से किस तरह के आशीर्वाद मिलते हैं? अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर:

मुझे अपने माता-पिता, अध्यापक और परिवारजनों से निम्नलिखित आशीर्वाद मिलते हैं-

1. माता-पिता से-
   - ईमानदारी और मेहनत से काम करने का आशीर्वाद
   - सच्चाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा
   - हर परिस्थिति में धैर्य और संयम रखने की सीख
   - जीवन में बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हौसला
2. अध्यापक से-
   - ज्ञान अर्जन करने और उसका सदुपयोग करने का आशीर्वाद
   - परीक्षा में सफल होने और आत्मविश्वास बढ़ाने का आशीर्वाद
   - सही निर्णय लेने और जीवन के प्रति सकारात्मक सोच रखने का आशीर्वाद
   - अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण बनाए रखने का आशीर्वाद
3. परिजनों से-
   - प्रेम, सहयोग और सम्मान के साथ जीवन जीने की प्रेरणा
   - मुश्किल समय में मजबूत बने रहने का आशीर्वाद
   - अपने कर्तव्यों को निभाने और दूसरों की मदद करने की भावना
   - जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद

(ख) आप भी अपने से छोटों के प्रति किसी न किसी प्रकार से शुभेच्छा प्रकट करते हैं, उन्हें लिखिए।

उत्तर:

प्रिय छोटे भाई-बहनों,

आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ, प्रसन्न और सफलता की ऊँचाइयों तक पहुँचाए। जीवन में आने वाली हर चुनौतियों को आत्मविश्वास और धैर्य से पार करें। आपकी मुसकान हमेशा बनी रहे और आपके सपने साकार हों।

सदैव आपके साथ

अ ब स

सपनों की बातें

(क) आप क्या करना चाहते हैं और क्या पाना चाहते हैं? उन्हें एक परची पर लिखें। परची पर अपना नाम लिखना आवश्यक नहीं है। अपने अध्यापक द्वारा लाए गए डिब्बे में अपनी-अपनी परची को डाल दें। अध्यापक एक-एक करके इन परचियों पर लिखे सपनों को पढ़कर सुनाएँ। सभी विद्यार्थी अपने-अपने सुझाव दें कि उन सपनों को पूरा करने के लिए-

- किस तरह के प्रयत्न करने होंगे?
- किस तरह से योजना बनानी होगी?
- किससे और किस प्रकार का सहयोग लिया जा सकता है?

- लक्ष्य-प्राप्ति में संभावित चुनौतियाँ कौन-कौन सी हो सकती हैं?

उत्तर:

छात्र गतिविधि के माध्यम से करें।

हमारे सपने

आपके माता-पिता या अभिभावक आपकी आवश्यकताओं और इच्छाओं को जानते-समझते हैं। वे उन्हें पूरा करने के लिए यथासंभव प्रयत्न करते हैं। अपने माता-पिता या अभिभावक से उनके द्वारा देखे गए सपने और इच्छाओं के बारे में पूछिए कि वे क्या-क्या करना चाहते थे या चाहते हैं? नीचे दी गई तालिका में उन सपनों को लिखिए। आप इस तालिका को और बढ़ा सकते हैं।

	घर के सदस्यों के सपने
माता	
पिता	
दादा	
दादी	
नाना	
नानी	
बहन	
भाई	

उत्तर: ***(छात्र पुस्तक में अपनी सोच के अनुसार भरें)***

1. माता -उनका सपना है कि घर में सुकून और एकता बनी रहे। वे चाहती हैं कि सबकी सेहत ठीक रहे और बच्चे जीवन में सफल हों। कभी-कभी वे खुद के लिए भी कोई हुनर (जैसे सिलाई, कुकिंग) में कुछ बड़ा करने का सपना देखती हैं।
2. पिता – उनका सपना है कि पूरा परिवार खुशहाल रहे। वे चाहते हैं कि उनके बच्चे पढ़-लिखकर अच्छे इंसान बनें और अपने पैरों पर खड़े हों । वे खुद भी कभी खेती या छोटा व्यापार शुरू करने का सपना देखते हैं।
3. दादा – वे चाहते हैं कि पूरा परिवार साथ रहे, बच्चे उन्हें समय दें और उनका आदर करें। उनका सपना यह होता है कि वे अपने पोते-पोतियों को सफल होते हुए देखें।
4. दादी – वे चाहते हैं कि पूरा परिवार साथ रहे, बच्चे उन्हें समय दें और उनका आदर करें। उनका सपना यह होता है कि वे अपने पोते-पोतियों को सफल होते हुए देखें।
5. नाना / नानी – वे चाहते हैं कि उनके नाती नातिन पढ़-लिख कर अच्छे इंसान बने। डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या कलाकार चाहे जो भी बनें, पर ईमानदार और दयालु जरूर बनें।
6. बहन – बहन का सपना है कि वे एक अच्छे प्रोफेशन (जैसे टीचर, डॉक्टर, इंजीनियर) में जाएँ और परिवार का नाम रोशन करें। वे विदेश घूमने या घर के लिए कार खरीदने का सपना भी देखती हैं।
7. भाई-भाई का सपना आईएएस, आईपीएस बनकर परिवार का नाम रोशन करना है।

सबके सपने

प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत-से लोग सहयोग देते हैं, जैसे- शाक विक्रेता, स्वच्छताकर्मी, रिक्शाचालक, सुरक्षाकर्मी आदि। इनमें से किसी एक से साक्षात्कार कीजिए और उनके सपनों के विषय में जानिए। साक्षात्कार के समय कौन-कौन से प्रश्न हो सकते हैं? उनकी एक सूची भी बनाइए।

उत्तर:

स्वच्छताकर्मी से साक्षात्कार

- आप कब से सफाई का काम कर रहे हैं? आप इस काम में कैसे आए?
- बीते समय में आपके द्वारा सामना की गई सबसे बड़ी मुश्किल क्या रही?
- कई बार बारिश में भी कचरा अलग करना पड़ता है, क्या आपने ऐसा अनुभव किया है?
- क्या आपको पर्याप्त सुरक्षा – किट (PPE) मिलते? अगर नहीं, तो किन चीज़ों की कमी रहती है?
- क्या आपको लगता है कि आपके काम को समाज में पर्याप्त मान्यता और इज्जत मिलती है?

झरोखे से

आपने पढ़ा कि 'एक आशीर्वाद' कविता में सपनों के बड़े होने की बात की गई है। अब आप पढ़िए सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का एक प्रेरक उद्बोधन जिसमें वे न केवल सपने देखने की बात करते हैं, बल्कि सपनों को पूरा करने की योजना और प्रक्रिया के विषय में भी बताते हैं-

उत्तर:

विद्यार्थी डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन से जुड़े साक्षात्कार देखें।

यहाँ एक प्रासंगिक यूट्यूब लिंक दिया गया है:

- **Dr. APJ Abdul Kalam's 4 Rules to SUCCESS:** https://www.youtube.com/watch?v=MBOdc4a8S0c

इस वीडियो में, डॉ. कलाम सफलता के लिए चार मुख्य सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हैं, जो सपनों को हकीकत में बदलने की एक व्यावहारिक योजना है:

1. **महान लक्ष्य रखें (Have a great aim):** जीवन में एक बड़ा सपना या लक्ष्य निर्धारित करना।
2. **ज्ञान अर्जित करें (Continuously acquire knowledge):** उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार ज्ञान प्राप्त करते रहना।
3. **कड़ी मेहनत करें (Hard work):** अपने लक्ष्य की दिशा में कठोर परिश्रम करना।
4. **दृढ़ रहें (Persevere):** किसी भी समस्या या असफलता से हार न मानना और लगातार लगे रहना।

यह भाषण डॉ. कलाम के इस प्रसिद्ध विचार का सार है कि "सपने वो नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने नहीं देते।" यह दिखाता है कि सपनों को केवल देखना ही नहीं, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए एक अनुशासित और निरंतर प्रयास आवश्यक है।

साझी समझ

आपने 'एक आशीर्वाद' कविता पढ़ी और डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का उपर्युक्त उद्बोधन भी पढ़ा। अब आप इन दोनों पर कक्षा में अपने साथियों के साथ चर्चा कीजिए।

उत्तर:

विद्यार्थी साथियों के साथ चर्चा करें।

खोजबीन के लिए

कला, विज्ञान, राजनीति, खेलकूद, मनोरंजन आदि क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों ने अपने-अपने सपनों को पूरा करने की संघर्ष यात्रा के बारे में लिखा है। उन्होंने अपने सपनों को साकार करने के लिए किस तरह से योजना बनाई, क्या – क्या संघर्ष किए? पुस्तकालय अथवा इंटरनेट की सहायता से ऐसे व्यक्तियों के बारे में पढ़िए ।

उत्तर:

विद्यार्थी स्वयं करें।

1. खेलकूद: मैरी कॉम (मुक्केबाजी)

- **सपना:** विश्व की सर्वश्रेष्ठ महिला मुक्केबाज बनना और ओलंपिक में अपने देश के लिए पदक जीतना।
- **योजना और संघर्ष:**
  - **आर्थिक बाधाएँ:** मैरी कॉम का जन्म मणिपुर के एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। उनके पास शुरुआत में अच्छे ग्लव्स, जूते और पौष्टिक आहार के लिए भी पैसे नहीं थे।
  - **सामाजिक विरोध:** उस समय मुक्केबाजी को पुरुषों का खेल माना जाता था। उन्हें लोगों और यहाँ तक कि अपने परिवार के शुरुआती विरोध का भी सामना करना पड़ा कि एक लड़की को यह खेल नहीं खेलना चाहिए।
  - **योजना:** उन्होंने स्थानीय कोचों से प्रशिक्षण लेना शुरू किया और अपनी प्राकृतिक प्रतिभा को अथक परिश्रम से निखारा। उन्होंने पैसे बचाने के लिए खेतों में काम किया और ट्रेनिंग के लिए कई किलोमीटर पैदल यात्रा की।
  - **मातृत्व और वापसी:** शादी और जुड़वाँ बच्चों के जन्म के बाद लोगों ने मान लिया था कि उनका करियर खत्म हो गया है। लेकिन उन्होंने इस धारणा को तोड़ा, और भी मजबूत होकर रिंग में वापसी की और विश्व चैंपियनशिप जीती।

2. विज्ञान: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

- **सपना:** एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम करना और भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनाना। बचपन में उनका सपना एक पायलट बनने का था।
- **योजना और संघर्ष:**
  - **गरीबी में शिक्षा:** उनका परिवार बहुत साधारण था और उनके पास पढ़ाई के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। उन्होंने अपनी शिक्षा का खर्च उठाने के लिए बचपन में अखबार भी बेचे।
  - **असफलता का सामना:** वे भारतीय वायु सेना की पायलट परीक्षा में केवल एक स्थान से चूक गए, जिससे उनका पायलट बनने का सपना टूट गया। यह उनके जीवन की एक बड़ी निराशा थी।
  - **योजना:** उन्होंने अपनी निराशा को अवसर में बदला। पायलट न बन पाने के बाद, उन्होंने अपना पूरा ध्यान रॉकेट विज्ञान और मिसाइल प्रौद्योगिकी पर लगाया। उन्होंने DRDO और फिर ISRO में शामिल होकर भारत के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया।

- **कठोर परिश्रम:** वे दिन में 18 घंटे काम करने के लिए जाने जाते थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की वैज्ञानिक प्रगति के लिए समर्पित कर दिया।

3. राजनीति: अब्राहम लिंकन

- **सपना:** अपने देश को एकजुट रखना और दास प्रथा जैसी अमानवीय परंपरा को समाप्त करना।
- **योजना और संघर्ष:**
  - **अत्यधिक गरीबी:** लिंकन का जन्म एक बेहद गरीब परिवार में एक लकड़ी के घर में हुआ था। उन्हें औपचारिक शिक्षा बहुत कम मिली।
  - **निरंतर असफलताएँ:** राष्ट्रपति बनने से पहले लिंकन ने अपने जीवन में लगभग हर कदम पर असफलता देखी। उन्होंने व्यवसाय में असफलता पाई, कई चुनाव हारे और व्यक्तिगत त्रासदियों का भी सामना किया।
  - **योजना:** उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। हर असफलता के बाद, वे दोगुनी मेहनत से प्रयास करते। उन्होंने खुद को शिक्षित किया, कानून का अध्ययन किया और अपने सिद्धांतों पर दृढ़ता से टिके रहे।
  - **अटल सिद्धांत:** जब देश गृहयुद्ध की आग में जल रहा था, तब भी वे दास प्रथा की समाप्ति और देश की एकता के अपने लक्ष्य से नहीं भटके, भले ही उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

4. मनोरंजन: नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी (अभिनय)

- **सपना:** भारतीय सिनेमा में एक अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाना।
- **योजना और संघर्ष:**
  - **साधारण पृष्ठभूमि:** उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गाँव के किसान परिवार से आने वाले नवाज़ के लिए अभिनय की दुनिया एक सपने जैसी थी।
  - **12 वर्षों का संघर्ष:** मुंबई आने के बाद उन्हें लगभग 12 वर्षों तक कोई बड़ी भूमिका नहीं मिली। इस दौरान गुजारे के लिए उन्होंने एक फैक्ट्री में केमिस्ट और चौकीदार की नौकरी भी की।
  - **अस्वीकृति:** उन्हें अक्सर उनके सामान्य रूप-रंग और कद-काठी के कारण अस्वीकार कर दिया जाता था। उन्हें छोटे-मोटे, अक्सर बिना किसी डायलॉग के रोल मिलते थे।
  - **योजना:** उन्होंने दिल्ली के **राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD)** से अभिनय की औपचारिक शिक्षा ली। मुंबई में, उन्होंने हार नहीं मानी और अपने अभिनय कौशल को निखारते रहे। उन्होंने हर छोटे रोल को पूरी लगन से निभाया, इस उम्मीद में कि एक दिन उनकी प्रतिभा को पहचान मिलेगी। अंततः 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' जैसी फिल्मों से उन्हें वह सफलता मिली जिसके वे हकदार थे।

इन सभी महान हस्तियों की कहानियों से यह स्पष्ट है कि सपनों को साकार करने की यात्रा संघर्षों से भरी होती है। सफलता के लिए केवल सपना देखना ही काफी नहीं, बल्कि एक ठोस योजना, अटूट धैर्य, कठोर परिश्रम और असफलताओं से सीखकर आगे बढ़ते रहने का जज़्बा होना भी आवश्यक है।